वानिकी समाचार

वर्ष 14 सं. 1 जनवरी 2022

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
आजादी का अमृत महोत्सव	01
वन विज्ञान केन्द्र	02
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
परामर्श	03
वेबिनार/सेमिनार/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
प्रकृति कार्यक्रम	05
प्रदर्शन कार्यक्रम	05
विविध	06
आकाशवाणी के माध्यम से प्रसार	06
मानव संसाधन समाचार	06

व.अ.सं., देहरादून ने उच्च–तकनीक वन पौधशाला पर वर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित किया

हि.व.अ.सं., शिमला ने बांस पौधरोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

आजादी का अमृत महोत्सव

- व.अ.सं., देहरादून ने 18 से 21 जनवरी 2022 तक वन विभाग, श्रीलंका सरकार के अधिकारियों के लिए "उच्च–तकनीक वन पौधशाला" पर वर्चुअल प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 28 जनवरी 2022 को सैद्धांतिक व्याख्यानों और सजीव प्रदर्शनों के माध्यम से जीसी और जीसी–एमएस की विश्लेषणात्मक पद्धतियों पर मौलिक और उन्नत ज्ञान के प्रदर्शन की सुविधा के लिए डिज़ाइन किए गए कार्य पर "जीसी और जीसी–एमएस तकनीकों के सिद्धांतों और पद्धतियों" पर वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 4 जनवरी 2022 को काष्ठ आधारित उद्योगों, अनुसंधानकर्ताओं, वनपालों, वास्तुकारों, काष्ठ उपयोगकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए "विद्युत प्रतिरोध टोमोग्राफः खड़े वृक्षों के अंदरूनी हिस्सों को चित्रित करने की एक तकनीक" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 67 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 21 जनवरी 2022 को काष्ठ आधारित उद्योगों, शिक्षाविदों और वन प्रमाणन से जुडे कार्मिकों के लिए "काष्ठ उत्पादों में संवहनीयता, प्रमाणन और वैधता" पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम से लगभग 260 प्रतिभागियों ने लाभ उठाया।
- वन अनुसंधान केंद्र–कौशल विकास (व.अ.के.–कौ.वि.), छिंदवाड़ा ने 13 जनवरी 2022 को "जैव विविधता संरक्षण" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में डेनियलसन कॉलेज, छिंदवाड़ा के बी.एससी. और एम.एससी. छात्रों ने भाग लिया।
- व.अ.के.–कौ.वि., छिंदवाड़ा ने 31 जनवरी 2022 को "जैव विविधता संरक्षण" विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में ए.टी.ए.एस.एच. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, पांढुरना, छिंदवाड़ा के बी.एससी. और एम.एससी. छात्रों ने भाग लिया।
- शु.व.अ.सं. जोधपुर ने 7 जनवरी 2022 को "राजस्थान में कृषि वानिकी के लाभ" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में शु.व.अ.सं. के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 17 जनवरी 2022 को राझना पंचायत, शिमला, हिमाचल प्रदेश के ग्रामीणों के लाभ के लिए "बांस पौधारोपण और जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 30 किसानों ने भाग लिया और शिमला, हिमाचल प्रदेश के बड़ागांव और पट्टी गांवों के निकट नालों के किनारे 300 बांस नवोद्भिद लगाए गए।
- व.उ.सं., रांची ने 12 जनवरी 2022 को खूंटी जिले के तोरपा ब्लॉक के अंतर्गत व.उ.सं. के प्रदर्शन ग्राम कुटाम के 8 लाभार्थियों को कृमि युक्त कृमिखाद बेड वितरित और स्थापित किया।

- व.उ.सं., रांची ने 12 जनवरी 2022 को खूंटी जिले के तोरपा ब्लॉक के अंतर्गत व.उ.सं. के प्रदर्शन ग्राम कुटाम में "वन उत्पादों पर आधारित लघु उद्योग" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में कुटाम गांव के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 12 जनवरी 2022 को खूंटी जिले के तोरपा ब्लॉक के अंतर्गत गांव अलंकेल में "वनीकरण में समुदाय की जागरूकता की भूमिका" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में अलंकेल गांव के 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 28 जनवरी 2022 को व.उ.सं. के प्रदर्शन ग्राम कुटाम, खूंटी जिले के 9 लाभार्थियों को कृमि युक्त कृमिखाद बेड वितरित और स्थापित किया।
- व.जै.सं, हैदराबाद ने 27 जनवरी 2022 को बर्ड वाचिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।

व.उ.सं., रांची ने कृमि युक्त कृमिखाद बेड का वितरण एवं स्थापना की

व.जै.सं., हैदराबाद ने बर्ड वाचिंग कार्यक्रम आयोजित किया

वन विज्ञान केन्द्र

- व.उ.सं., रांची ने 26 जनवरी 2022 को पर्यावरण अनुसंधान केन्द्र, सुकना, दार्जिलिंग में वन विज्ञान केंद्र (वीवीके) की स्थापना की। डॉ नितिन कुलकर्णी, निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 20 और 21 जनवरी 2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से "कृषिवानिकी मॉडल का विकास" और "औषधीय पादपों का उपयोजन और इसके महत्व" पर वीवीके–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 वन रेंज अधिकारियों ने भाग लिया।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- साल अंतःकाष्ठ बेधक, *हॉप्लोसेरेम्बिक्स स्पिनिकॉर्निस* के प्रबंधन के लिए अर्ध–रसायनों पर अध्ययन चल रहा है। अध्ययनों से प्रकट हुआ कि जून, 2021 के अंत के दौरान 1X1 फीट की आग से चिह्नित वृक्षों को *हॉप्लोसेरेम्बिक्स स्पिनिकॉर्निस* भृंग के भारी आक्रमण के कारण भूरी पत्तियों और तल पर अत्यधिक बुरादे के साथ सूखा हुआ पाया गया।
- कांजीलाल और ओस्मास्टन के वन वनस्पतिजात के संशोधन पर परियोजनाओं के अंतर्गत क्रमशः टोंस वन प्रभाग से एकत्रित 30 पादप प्रजातियों और बागेश्वर वन प्रभाग से एकत्रित 20 पादप प्रजातियों की नामावली का अद्यतनीकरण और विवरण पूरा किया गया।
- *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* सूचिकाओं से पृथक सत्त की पात्रे α–ग्लूकोसिडेज़ निरोधात्मक (एजीआई) गतिविधि 25% जलीय मेथनॉल का उपयोग करके निर्धारित की गई। सत्त ने सकारात्मक नियंत्रण एकरबोस से तुलनीय एजीआई गतिविधि प्रदर्शित की।
- *प्रिंसेपिया यूटिलिस* के बीजों से पृथक किए गए वसायुक्त तेल की जीवे प्रदाहक निरोधी गतिविधि की चूहों में कैरेजेनन और फॉर्मेलिन प्रेरित पॉ एडिमा विधियों द्वारा जांच की गई। नियंत्रण समूह की तुलना में तेल ने दो घंटे के बाद प्रदाह का महत्वपूर्ण निरोध प्रदर्शित किया।
- हिमाचल प्रदेश के करयाली, चंडी, पॉटर हिल्स, नारग, बलहंग, नादुखर, धामी जैसी 7 विभिन्न अवस्थितियों से एकत्र किए गए *पुनिका ग्रेनेटम* के छिलकों में कुल टैनिन सामग्री (टी.टी.सी.) क्रमशः 0.74%, 0.72%, 0.67%, 0.40%, 0.62%, 0.75% और 0.55% थी।

वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने एक एन्ड्रॉइड आधारित मोबाइल एप्लिकेशन ट्री जिनी और वेब पोर्टल लॉन्च किया, जिसका उद्घाटन महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा 20 जनवरी 2022 को " तमिलनाडु के वृक्ष उत्पादकों और अन्य हितधारकों के लिए डिजिटल इंटरएक्टिव प्लेटफॉर्म का विकास और लोकप्रियकरण" पर हितधारकों की कार्यशाला के दौरान किया गया। कार्यक्रम को सभी हितधारकों की अधिक से अधिक भागीदारी और दर्शकों की संख्या प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सजीव प्रसारण भी किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- शु.व.अ.सं. के मुख्य परिसर और पारिस्थितिकी अनुसंधान क्षेत्रीय केन्द्र पर दो चयनित प्रजातियों यथा *अज़ाडिराक्टा इंडिका* और *प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा* पर मृदा–प्रोफाइलिंग अध्ययन आयोजित किए गए। मृदा प्रोफाइलिंग के दौरान, *ए. इंडिका* में मृदा की तीन परतें और *पी. जूलीफ्लोरा* में चार परतें पाई गईं। *ए. इंडिका* में मृदा की विभिन्न परतों का pH और EC मान क्रमशः 8.3: 0.18 एमएस; –लेयर 1, 8: 0.08 एमएस; –लेयर 2 और 8.5: 0.1 एमएस; –लेयर 3 था। *पी. जूलीफ्लोरा* में, मान क्रमशः 7.7: 0.208 एमएस; –लेयर 1, 8.6: 0.149 एमएस; –लेयर 2, 6.5: 0.156 एमएस; –लेयर 3 और 8.1: 0.346 एमएस; –लेयर 4, था।
- उदयपुर जिले की खेरवाड़ा, झाडोल और कोटडा तहसीलों में भौगोलिक सूचना प्रणाली मानचित्रण, वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों का प्रलेख पोषण किया गया। कुल 32 स्थलों का दौरा किया गया और 70 वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों को दर्ज किया गया। वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियां जैसे *बोसवेलिया सेराटा, एनोजिसस लैटिफोलिया, एनोजिसस पेंडुला, एडिना कॉर्डिफोलिया, स्टेरसिलिया यूरेन्स, एकैशिया कटेचू, मित्राझना पर्विफ्लोरा, एडिना गौरुगा पिनाटा, टर्मिनेलिया अर्जुन, डायोस्पाइरस मेलानॉक्सिलॉन* आदि को विभिन्न अवस्थितियों पर दर्ज किया गया।

एनोजिसस लैटिफोलिया का पुनर्जनन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

पिकोरिज़ा कुर्रुआ, वेलेरियाना जटामांसी और *सिनोपोडोफाइलम हेक्सेनेड्रम* के सुधार के लिए सक्रिय संघटक (ए.आई.) सामग्री सबसे महत्वपूर्ण कारक थी। अतः उच्च एआई सामग्री एवं पर्यावरण पर स्थिरता वाले जीनप्ररूप का अभिज्ञान सबसे महत्वपूर्ण है। स्थिरता विश्लेषण करने के बाद *पी. कुर्रुआ*–जी7 (आईसी–0597419, नंदतीर्थ), जी6 (आईसी–0597416, सेरी), जी4 (आईसी–0597412, हुधन–भटूरी) और जी2 (आईसी–0597409 पत्तल); *वी. जटामांसी*–जी11 (आईसी–0597433, रम्सू), जी7 (आईसी–0597464, देहा) और जी14 (आईसी–0597441, तर्निनल्ला); *एस. हैक्सेनेड्रम*–जी2 (आईसी–0597474, सुरलभतुरी) और–जी5 (आईसी–0597501, कांगसर), के मामले में विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में अधिक स्थिरता के कारण अधिक स्थिर जीनप्ररूप का अभिज्ञान किया गया और भविष्य में नई किस्मों के रूप में जारी करने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- *स्किज़ोस्टैच्यम परग्रेसिल, गिगेंटोक्लोआ एट्रोवियोलेसिया* और *थायरसोस्टैचिस ओलिवेरी* का प्रवर्धन और प्रचुरोद्भवन किया गया, *बैम्बुसा बालकोआ* के एक जीनप्ररूप के प्रकंद का संग्रह किया गया और जननद्रव्य भण्डार में 3 अन्य बांस प्रजातियों के 27 प्रकंद स्थापित किए गए।
- महुआ के चार नए अभ्यर्थी धन वृक्ष का चयन किया गया और 4 अभ्यर्थी धन वृक्ष में रोपण के लिए 5 अभ्यर्थी धन वृक्ष से वंशज एकत्र किए गए, रोपण में सफलता देखी गई।

परामर्श

माह के दौरान निष्पादित प्रमुख उपलब्धियां और कार्यः

- टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को अप्रैल, 2020 से सितंबर 2020 तक की अवधि के लिए वीपीएचईपी की कैट योजना की नौवीं छमाही तृतीय पक्ष अनुश्रवण रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

भा.वा.अ.शि.प. को दो नई परामर्श योजनाएं प्रदान की गईं:

- दिनांक 11 जनवरी 2022 के कार्य आदेश द्वारा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी), गेवरा क्षेत्र, कोरबा, छत्तीसगढ़ की गेवरा ओपन कास्ट परियोजना के संबंध में पर्यावरण अंकेक्षण प्रदान किया गया।
- दिनांक 17 जनवरी 2022 के कार्य आदेश द्वारा कर्नाटक राज्य खनिज निगम लिमिटेड, JIOM की जम्बुनाथनहल्ली लौह अयस्क खान (JIOM), (ML No- 1659) में 'पुनर्ग्रहण और पुनर्वास कार्य (R&R)' की तैयारी की गई।

वेबिनार/सेमिनार/बैठक

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
1.	वन वृक्षों की कृंतकीय तदरूपता के आकलन – एक आणविक साइटोजेनेटिक्स उपागम पर सेमिनार	5 जनवरी 2022	शु.व.अ.सं. के वैज्ञानिक, अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी
2.	वन पारिस्थितिकी तंत्र –जीवन का चक्र पर सेमिनार	18 जनवरी 2022	शु.व.अ.सं. के वैज्ञानिक, अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
3.	शून्य बजट प्राकृतिक खेती पर वेबिनार	7 जनवरी 2022	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, शोधार्थी एवं कनिष्ठ शोध अध्येता
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
4.	गोवा कार्य योजना की तैयारी पर बैठक	17 जनवरी 2022	गोवा वन अधिकारी, विषय विशेषज्ञ, अन्य राज्यों के वन विभागों के अधिकारी
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
5.	वानिकी प्रजातियों के कृंतक/किस्म के निर्मुक्तन हेतु दिशा–निर्देशों और प्रक्रियाओं पर वेबिनार	6 जनवरी 2022	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों और अन्य संगठनों के वैज्ञानिक/शिक्षाविद, अधिकारी और शोधार्थी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
6.	*एक्विलेरिया मैलाकेंसिस* अगरकाष्ठ पर कृत्रिम संरोपण पर कार्यशाला	20 जनवरी 2022	-

शु.व.अ.सं., जोधपुर में वन वृक्षों की कृंतकीय तदरूपता के आकलन – एक आणविक साइटोजेनेटिक्स उपागम पर सेमिनार

व.व.अ.सं., जोरहाट में *एक्वीलेरिया मैलाकेंसिस* में अगरकाष्ठ पर कृत्रिम संरोपण पर कार्यशाला

प्रशिक्षण कार्यक्रम

	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	भीमल (*ग्रीविया ओप्टिवा*) रेशा निकालने की उन्नत तकनीकी	27 जनवरी 2022	-
	उष्णकटिबंधीय वनु अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
2.	पादप जैवतकनीकी	5 और 6 जनवरी 2022	वैज्ञानिक, वनपाल, शिक्षाविद और विद्यार्थी
3.	पौधशाला विकास और वानस्पतिक प्रवर्धन	17 से 21 जनवरी 2022	भा.वा.अ.शि.प. तकनीकी कर्मचारी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
4.	बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन	3 से 5 जनवरी 2022	असम के विभिन्न जिलों के बेरोजगार युवक और युवतियां
5.	अगरकाष्ठ की खेती और कृत्रिम संरोपण	10 से 12 जनवरी 2022	-

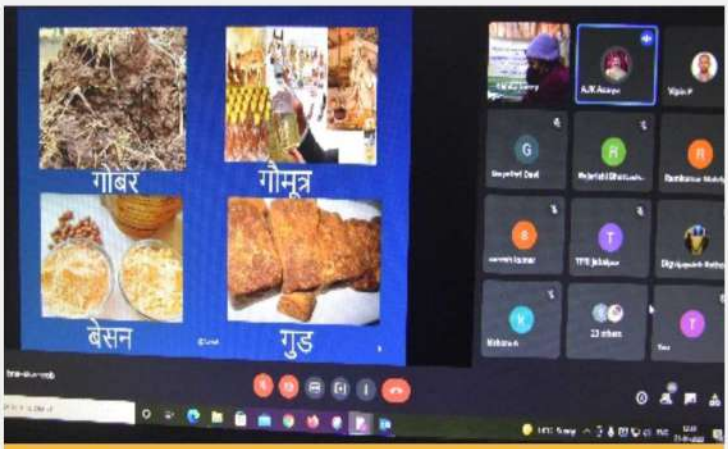

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा पौधशाला विकास और वानस्पतिक प्रवर्धन पर प्रशिक्षण

व.व.अ.सं., जोरहाट में बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण

प्रकृति कार्यक्रम

उ.व.अ.सं., जबलपुर के प्रतिनिधि ने 5 जनवरी 2022 को जवाहर नवोदय विद्यालय, बरगी नगर और केन्द्रीय विद्यालय, उ.व.अ.सं. के विद्यार्थियों को वनस्पति उद्यान का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कार्यक्रम

- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 7 जनवरी 2022 को कुंडलपुर वन रेंजर कॉलेज, महाराष्ट्र के रेंज अधिकारियों के एक समूह के लिए कृषि वानिकी प्रणाली और बांस रोपण का प्रदर्शन आयोजित किया।

- व.व.अ.सं., जोरहाट की अनुसंधान और विकास गतिविधियों जैसे बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्यवर्धन और बांस संरक्षण तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और ऊतक संवर्धन, लाख खेती, वनस्पति उद्यान, ऑर्किडेरियम, कृमिखाद आदि का 20 जनवरी 2022 को प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में आईआईएफएम, भोपाल के स्नातकोत्तर डिप्लोमा के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

उ.व.अ.सं., जबलपुर में प्रदर्शन कार्यक्रम

व.व.अ.सं., जोरहाट में प्रदर्शन कार्यक्रम

विविध

व.व.अ.सं., जोरहाट और व.उ.सं., रांची ने 10 जनवरी 2022 को विश्व हिंदी दिवस मनाया।

व.व.अ.सं., जोरहाट ने विश्व हिंदी दिवस मनाया

आकाशवाणी के माध्यम से प्रसार

व.अ.सं., देहरादून के प्रतिनिधियों की रेडियो वार्ता इस प्रकार है:

- 13 जनवरी 2022 को "मालाबार नीम की नर्सरी, रोपण एवं कृषि वानिकी मे उपयोगिता"
- 25 जनवरी 2022 को औद्योगिक उपयोग के लिए कम लोकप्रिय / ज्ञात वन पौधों की खोज

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. के.टी. चन्द्रशेखर, मु.त.अ., का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	31.01.2022
श्री एस.के.रावत, स.मु.त.अ., एनएफएच, व.अ.सं.,देहरादून	31.01.2022

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री राजेश गोपालन, भा.व.से. (ओडिशा:2001), सीएफ, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर	31.01.2022

सरंक्षक:
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।